# पाण्डुलिपि अभिलेख पुस्तिका

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| १ | इतिलानुजातक सटीक | | ३५ | पोका न ४६६ |
| २ | अथसिद्धान्तपरल प्रारभ्यते | १९४४ | २२ | |
| ३ | षटस्थान प्रकरणम् | | ५० | |
| ४ | अथपंडित श्रीचतुर्थी लाल क्रीता अन्त्यथ्योस्ठी श्राद्ध कर्म पद्धति प्रारभ्यते | | ७४ | |
| ५ | अथ मल्लारिमहात्म्य प्रारम्भ | | ४० | |
| ६ | अथ परास्करप्रषीत गृहशुत्र प्रारभ्यते : कात्यायन परिशिष्ट श्राद्ध वावाकंडीका शुत्रंच | १९०८ | ३१ | |
| ७ | अथ तत्व समासरव्य संख्यसुत्र आरम्भ | | २१ | |
| ८ | अथ प्रत्यन्गीरापन्चंगम | १९५१ | ७४ | |
| ९ | चमत्कार चिन्तायान सटीक | १९३५ | १६ | |
| १० | प्रथिस्थामायुषमन्त्र प्रारम्भ | | ४९ | |
| ११ | आचार दिनकरःदितिय भागः श्री बर्धमान सुरी बिरचितःगुम्बया : निर्णयसगारा रव्यमुद्रादालय, रामचन्द्र येमु शेड्के | १९२३ | ३९६ | |
| १२ | श्री सिद्धदंग्मिका-प्रव्रज्याविधानप्रकरण-सटीक | १९६८ | ३० | |
| १३ | अथ रस्मंजारी व्याख्या व्यन्गार्थकौमादी प्रारभ्यते | | १०७ | |
| १४ | श्री विजयाचंद केवली चरित्रम | १९६२ | vp | |
| १५ | अथ मुहुर्त मत्तैद सटीक प्रारभ्यते | १८९३ | १०८ | |
| १६ | संराभिवदनविदारण शुभाचान्द्राचार्य विरचित अनुः लालारज्मजी जैनाशास्त्री कलकत्ताः भारतीय जैनसिद्दान्त प्रकाशिनी | | १४४ | |
| १७ | बृहत बिमलनाथ पुरण ले. श्रीकृष्णदाशजी महाराज अनुः गजाधरलालजी शास्त्री कलकत्ता दुलिचंद पभालाल दिवाकर मालिक जीनवाडी प्रचारक | १९८१ | ३९६ | |
| १८ | अदिपुरण ले. भवज्जिसेनाचार्योजी भाष्करः पंडितबुद्धिलालजी श्रावक कलकत्ताः जीनवाडी प्रचारक कार्यालय | १९८३ | २५८ | |
| १९ | पुजन संग्रह (चौबी) | | १४४ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| २० | अथ वीषमी शंदेन्दु शेखर ब्याख्या प्रारभ्यते ले. रघबेन्द्राचार्य | | १२९ | |
| २१ | श्री पदमनडदियचर्विशचिका ले. पधनन्दीआचार्य अनुः गजधरलाल जैन न्यायशास्त्री बनारसः श्रीजैन्भारातीभवन | १९१४ | ५१३ | |
| २२ | अथर्ववेद संहिता | १८५६ | ४५८ | |
| २३ | अथ प्रपन्चसार विवेक ले. रामचन्द्र भट्ट मुम्बईः गंगविष्णु, श्रीकृष्णदास श्रीवेंकटेश्वर छापाखाना | १९४४ | | |
| २४ | अथ गयामहत्म्य प्ररम्भः मुम्बई लक्ष्मीवेंकटेश्वर | १९५५ | ३३ | |
| २५ | अह मुहुर्त दीपक सटीक प्ररम्भ | १७७९ | २१ | |
| २६ | महावाक्यरात्नावाली | | ६५ | |
| २७ | साहित्यसरोत्तरध्र प्रारभ्यते | १७८२ | १३६ | |
| २८ | श्री प्रभु-विध्या-प्रतिष्ठाः प्रभुदत्तशास्त्री ले.दौलातारामगौड वारदासी ठाकुरप्रसाद एंड सन बुक सेलर | | | |
| २९ | श्री मनमत्यसमहापुरण प्रारभ्यते मुम्बईः लक्ष्मीवेंकटेश्वर छापाखाना | १८३७ | v.p | |
| ३० | आदिपुरण भगवाज्जिसेनाचार्य और भगवद्रूण भाद्राचार्य विरचित अनु.औरप्रकाशः पण्डितलालराम जैन, इन्दौरः ग्रन्थप्रकाश कार्यालय | १९७३ | १७६६ | |
| ३१ | रयाचन्द्रजैन शास्त्रमाला अंक ११-१२ मे सम्पूर्ण स्यद्वादमन्जरी मुम्बई निर्णयसागर | १९२० | २१८ | |
| ३२ | शास्त्रवार्ता समुच्यचः सुरीपुरन्दर श्रीहरिभद्रसुरीविरचित मुम्बईः निर्णयसागर यन्त्रमाला | १९३६ | ९६ | |
| ३३ | अह छंदोगाना उपनयन पद्दतिः महामहत्तक सठक्कुर विरेश्वर विरचितदरभंगाःश्रीरामेश्वर यान्त्रालय, कशिनाथ शर्मा | | ७६ | |
| ३४ | आपदुद्वारबतुक्भैरवस्तो | | ११ | |
| ३५ | अथचंपुरामायण प्ररम्भ | | ७४ | |
| ३६ | अथभाव्कुतुहल ग्रन्थः प्रारभ्यते | १९४४ | ३० | |
| ३७ | श्रीद्वारकमामहत्मय प्रारभ्यते मुम्बई श्रीवेंकटेश्वर | | ११ | |
| ३८ | अथ प्रथिस्ठासंग्रह प्रारम्भ | १९६४ | २५८ | |
| ३९ | अथसत्यनारायण नेपालीभाससहित बनारसः हरिहर शर्मा,गोपाल यांत्रलाया | | १९ | |
| ४० | अथ सत्यनारायण मूलप्रारम्भ; काशीः गणेशप्रभकार छापखाना | १९४३ | ११ | |
| ४१ | अथ विनायाक्महतमय प्रारम्भः ले. बाशुदेव | १९०६ | ६७ | |
| ४२ | अथ वाजसेनयिनाविवाहादिसकल संस्करपद्दतिः महामहत्तक सठाक्कुर रामदत्त विरचितादरभंगा : काशिनाथशर्मा. श्री रामेश्वर यान्त्रालय | १८३८ | ११३ | |
| ४३ | त्रैवारनीकाचार ले. हेमचन्द्र | | ११७ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ४४ | श्रीत्रैवैघगोस्थी ले. श्रीमुनिसुरी : जामनगर<br>:श्रीजैन्वस्करोदयाबग्प्खानामा | १९६९ | ५२ | |
| ४५ | श्रीपोडशकप्रकरणम्भागवत श्रीमद्याशोमाद्रसुरी विरचित जामनगरः<br>श्रेस्ठीचुनिलाल,लक्ष्मीचन्द्र धराशी | १९९२ | ११५ | |
| ४६ | अथविश्वकर्मप्रकाशो भासरिकायुत : प्रारम्यते मुम्बईः<br>खेमराजश्रीक्रिश्नादासवेदथास प्रडित | १९६१ | ९४ | |
| ४७ | परिभाषेन्दुशेखरव्याख्यात्रिपथगा ले. खाविद्येश्वरी मिश्र काशीः गणश<br>प्रभाकर छापाखाना | | ४२ | |
| ४८ | अथदिपुरण प्रारभ्यते मुम्बई : खेमराज श्रीकृष्णदास वेदथास प्रडित | १९६४ | ५९ | |
| ४९ | अथषडीश्यतेकादशिमहात्म्य प्रारभ्यते | | ५३ | |
| ५० | ऐतरेय ब्राम्हण | | ७६ | |
| ५१ | इतिदुर्गाजी सटिक समन्योयंपुलकम ले. बद्रीलाजोशी | | ८७ | |
| ५२ | अथ साधारण गोदंविधि प्रारम्भ | १९६७ | १२ | |
| ५३ | अथ दुर्गा प्रदिप्स्थप्रादौशक्तित्वविमशीरनी प्रारभ्यते | | v.p | |
| ५४ | रामचन्द्र कृत समसारभरत | १९५५ | २० | |
| ५५ | अथ सत्यनारायण कथा प्रारम्भ | १९४१ | १२ | |
| ५६ | अथ श्यामाचार्य विरचित प्रज्ञापना सुत्रः तृतीय खण्ड अनुः<br>भगवानदास हर्षचन्द्र अहमदाबादः श्रीसरदमुद्रणलये | | १७५० | |
| ५७ | अथ सटीक श्रीमुहुर्ततत्व प्रारभ्यते | | ९८ | |
| ५८ | अथ भृगुसुत्र प्ररम्भ | | ८ | |
| ५९ | अथ तिर्थचिन्तामणिः प्रारभ्यते | | ११४ | |
| ६० | अथ नवाग्रहविधान पद्दति प्रारम्भ | १९४७ | २७ | |
| ६१ | अथ श्री रंगमहात्यामय प्रारम्भ मुम्बईः जवाजिददाजी | | ३३ | |
| ६२ | अथ तर्क संग्रहवक्यार्थ प्रारम्भ | १८०१ | २३ | |
| ६३ | अथ वाजसनेय संहितापद प्रारम्भ | १८१४ | २७१ | |
| ६४ | जैमिनिसुत्र सुबोधिनी तिकासहित ले. हरिनन्दन शोधावालशास्त्री<br>काशीः गणेशप्रभाकर छापाखाना | १९४९ | ३७ | |
| ६५ | अथ डंगकपुरमाहात्म्ये प्रारम्भः ल. रामदास डाकारः रणहार<br>पुस्तकालय | १९६३ | १०८ | |
| ६६ | अथ मुद्रलाचार्य क्रितायार्सशतक प्रारम्भ | १९७६ | ३८ | |
| ६७ | अथ सटीक महिम्नस्तोत्र प्रारम्भ | १८०१ | १६ | |
| ६८ | अथ मुहुर्तमार्तड प्रारम्भ नारायणभट्ट विरचित मुम्बई : ज्ञान दर्पण<br>छापाखाना | १७७६ | २६ | |
| ६९ | भक्तामरस्तोप्रं सटीकले. युगसुरी जामनगरः जैन भाष्करोदय | | १२२ | |
| ७० | उरुदाय प्रदिप अथ परासरी प्रारम्भ ले. बद्रीलाल | | १९ | |
| ७१ | अथ शुद्दीविवेक : प्रारभ्यते मुम्बई : लक्ष्मीवेंकटेश्वर | १९७८ | ३९ | |
| ७२ | श्रीअथ सर्वार्थ चिन्तामणी प्रारभ्यते-विरजाते श्रीररक्त | १९१९ | १०४ | |
| ७३ | अकदाशी महात्म दिवाकर छापाखाना | १९१५ | १०५ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ७४ | प्रयोग रत्न प्रारभ्यते ले. नारायण भट्ट | | ९७ | |
| ७५ | अथ प्रयागमाहत्म्य प्रारम्भः मुम्बईः लक्ष्मीवेंकटेश्वर | १९८१ | २१ | |
| ७६ | अथ तर्क संग्रहः प्रारभ्यते अन्नभट्ट कृत | | १० | |
| ७७ | अथ ग्रहशान्तिविधिः ल. श्री वेडीराम शर्मगौड वराणसी : व्यास प्रकाशन | २०३८ | २९६ | |
| ७८ | अथ गोदानिर्णय चन्द्रिका प्रारम्भ | १८१८ | ३३ | |
| ७९ | सत्यादास हिराव्याकेशी स्मार्त प्रयोग ले. महेश भट्ट | १९७८ | १२३ | |
| ८० | अथ श्री दुर्गासप्तशती तृतीय वायुनन्द मिश्र वनारससिटि जे.एन.यादव मलिक, मास्टरखेलेलाडीलाल एंड सन्स | | १८१ | |
| ८१ | स्कंदपुराणतर्गतचातुर्मास्यमाहात्म्ये | १८१३ | ५१ | |
| ८२ | अथ सुक्तावाली प्रारम्भ | १९५३ | १० | |
| ८३ | अथ कुंडसिद्धिटीका प्रारम्भ | १९४३ | २२ | |
| ८४ | श्री प्रश्नचितामणि ले. श्री विरविजय जी जामनगरः श्री जैनभाष्करोदय प्रिन्टिंग, हरिलालहंसराज | १९७५ | १७० | |
| ८५ | अथ पुजासमुच्चय प्रारम्भः ल. वाशुदेव शर्मा मुम्बईः पाण्डुरंग जावजी, निर्णयसागर प्रेस | १९२३ | १३६ | |
| ८६ | रघुवांश कथा | १९०८ | v.p | |
| ८७ | अथ सटीक- लिङ्गमहापुराण प्रारम्भ मुम्बईः खेमराज श्री वेंकटेश्वर | १९६३ | २१२ | |
| ८८ | विशंतिस्मृत ले. वावुराम सुकुल | १९२९ | १३१ | |
| ८९ | न्यायरत्न | | v.p | |
| ९० | श्रीधर्मबिन्दु श्रीहरिभंसुरी विरचित पुनाः लालचन्द चतुरदास | १९५१ | | |
| ९१ | अथ सटीक गुरुडपुराण प्रारभ्यते मुम्बईः खेमराज श्रीकृष्णदास,श्री वेंकटेश्वर | | ८६ | |
| ९२ | ताजीकनिलकंठी सटीक सोदाहर | १९५३ | ९६ | |
| ९३ | अथ विषमी शब्देन्दु शेखर व्याख्या प्रारभ्यते | | १२५ | |
| ९४ | अथ श्री महाभागवत प्रारम्भ मुम्बईः मणिलाल इच्छारामदेसाई, गुजराती प्रिन्टिंग प्रेस | १९६९ | १९६ | |
| ९५ | समाचारी प्रकरणम् (योग विशेषवाक्ययुतम्) ले.वेणीचन्द्र सुरचन्द्र | १९७५ | ४२ | |
| ९६ | अथ पुजासमुच्चय प्रारम्भः ल. वाशुदेव शर्मा निर्णयसागर यान्त्रालय, तुकारम जावजी | १९०३ | १३६ | |
| ९७ | इर्यापथिकी षटत्रिशिका सुरतः श्री जिनदत्तसुरीज्ञानभाण्डागारस्य | १९८९ | २८ | |
| ९८ | अथ योध्यामहात्म्य प्रारभ्यते वाराणसी : संस्कृतमुद्रालय | १९२५ | १६ | |
| ९९ | पुण्यास्त्रव कथाकोश | | ३०४ | |
| १०० | अथ मयुर चित्रक प्रारम्भ काशीः संस्कृतमुद्रायाम ले. हमिहिरा अचार्य | १९४० | १५ | |
| १०१ | नित्यकर्म प्रकाशिका | | ८४ | |
| १०२ | अथ कर्पुरस्तवः प्रारभ्यते श्री विश्वेश्वरोविजयते श्री संकटाभैरवभ्यानमः | | २१ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| १०३ | अथ आश्वलायनगृहयसुत्र  गृहयपरिशिष्ट ले. कुमारी भट्ट | १८१७ | २२० | |
| १०४ | सुद्धिविवेक प्रारम्भः काशीः गणेश प्रभाकर छापाखाना | १९४१ | ५७ | |
| १०५ | अथ बृहतकर्मकाण्ड समुच्चय मुम्बईःश्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस ले.चतुर्थीलाल शर्मा गौड | १९७९ | ६५ | |
| १०६ | अथ तर्कसंग्रह प्रारम्भ लेखकः अन्न भट्ट मुम्बईः ग्रन्थ प्रकाश कारथशिलयन्त्र | १७८४ | ९ | |
| १०७ | अथ सेतुत्सर्गपद्दतिः प्रारभ्यते दरभंगाः श्रीरमेश्वोर प्रेस | | ४ | |
| १०८ | कल्याण मन्दिर स्त्रोतम ले. सिद्धसेन दिवाकर मुम्बईः जहवेरी,मुलचन्द,हिरचन्द्र भगत,पायधुनी,महावीरजीका मन्दिर | १९८८ | १९ | |
| १०९ | उत्त्सर्गमायुष काशीः सुधा निवास छापाखाना ले. मिमंसक भट्ट, शंकरान्मनुभट्ट,निलाकण्ठ | १९३६ | १८ | |
| ११० | श्री सुमित्रचरित्रम कर्ताः श्री हर्षकुंजरोपाध्याय जामनगरः जन भास्करोदय प्रेस | १९७९ | ६१ | |
| १११ | श्री ज्ञानसार सुत्रम देवचन्द्र गठिना कृता मुम्बईः बल्लभदास, त्रिभुवनदास गान्धी सेक्रेटरी जैन आत्मानन्द सभा | १९७१ | ११० | |
| ११२ | अथ भित्ताक्षराध्यायत्रयानुक्रमणिका प्रारम्भ | १७८४ | २८६ | |
| ११३ | व्याग्यार्थ कौमुदी व्याख्यासहित र समंजारी प्रारम्यते संः बाबुवाराणसीमप्रसाद | १८७७ | ७६ | |
| ११४ | अथ श्री परिभाषेन्दु शेखर मान्नुदेव विरचित काशीः विध्यासागर यान्त्रालय | १९३४ | | |
| ११५ | अथ सटीक गंगालहरी प्रारम्भ | १९४२ | २९ | |
| ११६ | हयानरलः प्रारम्यते ले. दामोदरत्यजबलभद्र मुम्बईः खमराज श्रीकृष्णदास श्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस | १९६१ | ८८ | |
| ११७ | श्री शुक्लयजुर्वेद संहिता ले. श्री विध्याधर शास्त्री गौड मुम्बईः बाबु ठाकुर प्रसाद गुप्ता | | v.p | |
| ११८ | शुल्कयजुर्वेद माध्यंदिनीय संहिता प्ररम्भ | | v.p | |
| ११९ | श्री दृष्टांतरात्नावाली ले. अरिमल्ल जमनगरः भाष्करोदय प्रिन्टिंग प्रेस, हिरालाल हंसराज | १९८० | ५८ | |
| १२० | श्री साम्बपुरण प्रारभ्यते मुम्बईः  श्री वेंकटेश्वर | १९५६ | ११८ | |
| १२१ | अन्त्येष्टिपद्दतिः प्रारभ्यते ले. विश्वनाथ मुम्म्बाईः जगदिश्वराख्येमुद्रणलय | १९४६ | १९२ | |
| १२२ | विश्वकर्मा प्रकाश प्रारम्भ काशीः गणेश प्रभाकर छापाखाना | १९४५ | ५५ | |
| १२३ | तैत्तिरिय संहिता प्रारम्भ तत्वविवेचक मुदरणयांत्रालय | १८१४ | ४८७ | |
| १२४ | श्री मद् भगवतीसुत्रम ले.भयादेवसुरी मेहसानाः शाह वेणीचन्द्र, सुरचन्द्र | १९७४ | ३४० | |
| १२५ | नित्यक्रित्यार्नव प्रारम्भ ले.श्री धनुद्वारचार्ये काशीः चन्द्रप्रभा यान्त्रालय | १९०२ | ४४७ | |
| १२६ | श्री पाँचवस्तुक ग्रन्थः  ल. श्री हरिभद्रसुरी मुम्बईः जीवनचन्द, साकारचन्दजहेरी | १९८३ | ३०५ | |
| १२७ | श्री सम्यकत्वसप्ततीः ल. श्रीमद्रूद्रपल्लीयसंतिलकचर्या मुम्बईः जन पुस्तकोद्वारेशाह नशिनभाई,बेलाभाई जहेरी | १९७२ | २३९ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| १२८ | आचारदिनकरः प्रथम विभाग श्री वार्धमानसुरी विरचितः मुम्बईः निर्णयसागर, केसरीसिंह ओसवालरवामगंग्मवाला | १९७८ | १३९ | |
| १२९ | अनुभुतिप्रकाशः प्रारम्यते विद्यारव्य स्वमिनाविरचितो मुम्बईः निर्णयसागर | १८०३ | ११८ | |
| १३० | श्री ज्ञाताधर्म कथांगम ले. भयादेवसुरी | | v.p | |
| १३१ | चातुर्मास्य माहत्म्य प्रारम्भोयम् मुम्बईः बाबुहरशेरदेव्लेकर | १७८४ | ५१ | |
| १३२ | श्री प्रवचनसारोद्धारटीका ले. गुरु श्रीमच्चारित्रविजयसुप्रसदात जमनगरः जैन भाष्करोदयछापाखाना हरिलाल हंसराज | | १३३० | |
| १३३ | विचाररत्नकारः ल. किर्तिविजय उपाध्याय मुम्बईः जीवन चन्द्र, साकारचन्द्र जहेरी | १९८३ | २०१ | |
| १३४ | अध्यात्मरमयाणे बलकण्ड, प्रारम्यते मुम्बईः लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस गंगा बिष्णु श्रेष्ठ | १९८३ | २०० | |
| १३५ | श्री हरिवंश पुराण ले. जिन सेनाचार्य टीकाकारः दालतरामजा कलकत्ताः जीनवाणी प्रचारक सिम्बई दुलिचन्द पभालाल | | ७१४ | |
| १३६ | कौल गज मर्दन प्रारम्यते ले. श्रीमभालाल शर्मणा वाराणसीः संस्कृत यन्त्रालय | १९२३ | २५ | |
| १३७ | मुद्राप्रकाश काशीः सिद्धिविनायक यन्त्रमाला ले. राम किशोर शर्मा | १९२३ | २० | |
| १३८ | वैधनाथमहात्म्य काशीः संस्कृत मुद्रायन्त्रालय | १९३१ | ३९ | |
| १३९ | पाकभाण्डोत्सर्गविधि, प्रारम्यते ले.अदत दरभागः श्री रामेश्वर प्रेस, कन्नैयालाल कृष्णदास | १९७३ | १२ | |
| १४० | उत्तरकाशीमहात्म्य प्रारम्भः मुम्बईः गंगाबिष्णु श्रीकृष्णदास,लक्ष्मी वेंकटेश्वर | १९५४ | १२ | |
| १४१ | शुक्लयजुर्वेद माध्यंदिनीय संहिता मुम्बईः रामवाडा,हरिप्रसादभगीरथ पुस्तकालय | १९४८ | v.p | |
| १४२ | श्री स्थानांग सुत्रम ले. भयदेवसुरी मुम्बईः श्रेस्ठी वेडीचंद्र,सुरचन्द्र | १९७५ | २८० | |
| १४३ | हरिव्यकेशीयब्रम्हकर्मशमुच्याः ल. वासुदेव शर्मणा मुम्बईः तुकाराम जावजी, निर्णयसागर यन्त्रामाला | १९०४ | ४१३ | |
| १४४ | पाण्डुरंगमहात्म्य प्रारम्भ ले. सुस्दुद्धिरिद्रजी श्रेस्ठी | १७९१ | | |
| १४५ | श्रावडी प्रयोग प्रारम्भः | | ७४ | |
| १४६ | ऋक्संहिता प्रथमभास्टक प्रारम्भः मुम्बईः गणपतकृष्णाजी मुद्रायांत्रालय | १८१२ | v.p | |
| १४७ | सुपासनाहचरीअं प्रथमो भागः ल. लक्ष्मणगनि वनारसः भि.जा. जाशा जैन विविध साहित्य शास्त्रमाला | | ३७१ | |
| १४८ | सोददरणमकरंदसारिणी प्ररम्भः ल. विश्वनाथदैवज्ञविरचितो मुम्बईः श्रीकरुणेश प्रिन्टिंग प्रेस | १९७० | ४७ | |
| १४९ | श्रीमद्दाराहमहापुरण प्रारभ्यते मुम्बईः लक्ष्मी वेंकटेश्वर | १९८० | २३९ | |
| १५० | तत्वार्थसार ले. अमृतचन्द्रसुरीः सनातन जैनग्रन्थमाला | | ४२७ | |
| १५१ | नित्यान्हिकारम्भः विधाभुषण यन्त्रालय | | ८ | |
| १५२ | मुहुर्तगणपतिःप्रारभ्यते ले. शंकरसुरी | १७८५ | ७२ | |
| १५३ | श्रीकल्पसुत्रसुमोधीकारिका ले. विनयविजय उपाध्याय जामनगरः जैनभाष्करोदय प्रिन्टिंग प्रेस | १९८० | ४१३ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| १५४ | प्रयागमहात्मा प्रारम्भ | १९४१ | २४ | |
| १५५ | श्रीगणधरसार्धशतकववृतिः लखकः जिन्दत्तसुरी टिकाकारः श्रीसर्वराजगणि जामनगरः हरिलाल,हंसराज,जैनभाष्करोदय प्रेस | १९७२ | ११४ | |
| १५६ | पुण्यहवाचन प्रारम्भ जाहिरतः सुभोधप्रकाशमुद्रालय | १८९४ | २१ | |
| १५७ | श्रीप्रभु-विद्या-प्रतिस्ठाप्रव अर्थात सर्वदेवप्रथिस्तामयुख ले. दालतराम गौड वारणसीः ठाकुरप्रसाद एंड सन्स बूक्सेलेर | | ६१६ | |
| १५८ | श्रीगोकर्णमहात्म्य प्रारम्भ | | १५३ | |
| १५९ | उं अथ दिक्षाप्रकाशः प्रारभ्यते ले. जीवनाथ | ११९० | ६९ | |
| १६० | शास्त्रसिद्दान्तलेशसङ्ग्रहसार प्रारम्भः कलकत्ता | १९१५ | ३८ | |
| १६१ | संस्कारकौस्तुभस्यानुक्रमणीका प्रारम्भ ले.श्रीमदंतदेव | | २३६ | |
| १६२ | अथमरकोशेसटीक प्रथम्कांड प्रारम्भ | १८६२ | v.p | |
| १६३ | श्रीमद्भगवतगीता भावप्रकाशसटीककयांगप्रथः प्रारभ्यते | | १९१ | |
| १६४ | शन्देन्दु शेखरटीका ले. सदा शिवभट्टी काशीः गणेश यन्त्रलय | १९२२ | १३६ | |
| १६५ | शान्तिमयुखस्यानुक्रमणिका ले. निलाकण्ठ भट्ट मुम्बईः महादेवगोपालशास्त्री | | ८१ | |
| १६६ | संकेतनिधिः प्रारम्यते मुम्बईः कृष्णदास खेमराज, श्रीवेंकटेश्वर यन्त्रालय | १९५१ | ११२ | |
| १६७ | एकादाशी महात्म्य ले. महेश पाण्डे काशीः अनंदवन छापाखाना | १९३२ | ५८ | |
| १३८ | जातका भ्रमण प्रारम्भः ले. दैवज्ञ दुंडीराज विरचिते | | ८५ | |
| १६९ | चन्द्रीकासहित कुबलयानन्द | | १७६ | |
| १७० | मन्जुषासहित शक्तिवादः वाराणसाः काशी संस्कृत मुद्रालय लेः गदाधर भट्टाचर्या | १९४० | ६३ | |
| १७१ | तृतीयकाण्ड प्रारम्भ | | v.p | |
| १७२ | कोकिलामहात्म्य प्रारम्भः ले. हरिकृष्ण मुम्बईः लक्ष्मी वेंकटेश्वर | १९५० | ६८ | |
| १७३ | लघुसंग्रह प्रारम्भ ले. गोपिनाथ भट्ट काशीः चंद्रशेखर छापाखाना | १९३० | २८ | |
| १७४ | सारस्वतस्य तृतीयावृति ले. नुभुतिस्वरुपा आचार्य मुम्बईः ज्ञान्दर्पण | १७७५ | | |
| १७५ | चंडकौशिक नाटक प्रारम्भ ले. आर्यश्रेमिश्वर मुम्बईः ग्रन्थ प्रकाश छापाखाना | १७८२ | २२ | |
| १७६ | प्रश्नोत्तर श्रवकाचार ले. श्री सकलकिती अनुः लालरामजी शास्त्री सुरतः मुल्चंद किसनदास कपडीया, जैन पुस्तकालय | १९८३ | ३१० | |
| १७७ | श्री सत्यनारायण कथा | १९६० | ३१ | |
| १७८ | केदारखण्डस्थमायापुरीमहात्म्य मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | १९५९ | ३७ | |
| १७९ | श्री पप्रधुम्न चरित्र ले. सोमकिर्ति अचार्य चिरगंवःसाहित्य प्रेस | १९७९ | १६७ | |
| १८० | श्री रत्नकारण्ड ज्ञावकाचार, वचनिका ले. समन्तभट्टअचार्य अनुः सदासुखजी कलकत्ताः दयाचंद जैन | | ५२२ | |
| १८१ | इतिः प्रतिष्ठामायुष प्रारम्भः वनारसः दिवाकर छापाखाना | १९२३ | २६ | |
| १८२ | अनन्तकथा प्रारम्भ ले. विश्वनाथ मिश्र, अजोध्या पाण्डे काशीः सुधा निवास छापाखाना | १९३२ | १६ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| १८३ | भवभावनाः प्रथमोविभाग ले. हेमचन्द्र सुरी सुरतः जैनानन्द पुस्तकालय | १९९२ | ३६० | |
| १८४ | मकरन्द प्रकाश प्रारम्भ दरभंगाः श्री रमेशश्वर प्रेस | १९०९ | ९१ | |
| १८५ | बादसुधाकर प्रारम्भ ले. अचार्य कृष्ण, काशाः गणेश प्रभाकर छापाखाना | १९४६ | १६ | |
| १८६ | तरिवर्णिकाचार ले. सोमसेन भट्टारक | | ७५६ | |
| १८७ | श्री शुक्लयजुर्वेद संहिता ले. विद्याधरशास्त्री गौड वनारसः ठाकुरप्रसादगुप्ता बुकसेलर | | v.p | |
| १८८ | तर्कदिपिका सहित निलकंठी सम्पूर्ण नामगात ले. निलकण्ठ भट्ट | १९३२ | ४९ | |
| १८९ | मुहुर्त दीपक सटीक | | २० | |
| १९० | श्री मदभागवतगीता ले. श्रीधर मुम्बईः निर्णयसागर यन्त्रालाया | १९४२ | | |
| १९१ | श्री रामाश्वमेघ प्रारम्भ मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | १९४३ | २१२ | |
| १९२ | काशीमहामत्म्य वनारसः अंजूमन यन्त्रालाया | १९४१ | ८२ | |
| १९३ | सटीक जातकलंकार मुम्बईः ग्रन्थ प्रकाश छापाखाना | १९४६ | ५८ | |
| १९४ | श्री ललितविस्तार ले. हरिभद्र सुरी वनारसः मि.जा. जाशा, जन विविध साहित्यशास्त्रमाला | १९९० | ९६ | |
| १९५ | श्राद्धसंग्रह अर्थात श्राद्ध विवेक प्रारम्भः वायुनन्दन मिश्र वनारसः मास्टर खेलाडीलाल एंड सन्स | | २५८ | |
| १९६ | चंपुभारत प्रारम्भ ले. श्री मदंत भट्ट | | ११६ | |
| १९७ | प्रशस्तिकशिका प्रारभ्यते ले. बालकृष्ण त्रिपाठी | | १२ | |
| १९८ | कुशकंडीभाष्यं प्रारभ्यते मुम्बईः लक्ष्मीवेंकटेश्वर | | २५ | |
| १९९ | श्री भारतेश्वोर-बाहुबलीवृत्तिः प्रायन विभाग ले. श्री शुभशिलगणि मुम्बईः जिवनचन्द,सकारचन्द जवाहेरी | १९०८ | १८६ | |
| २०० | हायनरत्न प्रारम्भले. दामोदरात्मजवलभद्र मुम्बईः गणपतीकृष्णाजी मुद्रणालय | १९५० | ११० | |
| २०१ | भृगुसंहितान्तगर्तयोगावलीः ल. रघुवंश शर्मा मुम्बईः श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस | १९८१ | १८८ | |
| २०२ | श्री मदभागवतगीता ले. श्रीधर मुम्बईः खेमराज श्रीकृष्णदास श्रीवेंकटेश्वर | | १०३ | |
| २०३ | व्युपत्तीवाद व्याख्या कृष्णभट्टी | | ७३ | |
| २०४ | श्री मंत्रभागवतं सटीक प्रारभ्यते ले. निलकण्ठ मुम्बईः श्रीवेंकटेश्वर | १९६० | ४८ | |
| २०५ | श्री चन्द्र चरित्रम ले. श्रावक हरिलाल हंसराज जामनगर; जन भाष्करोदय प्रिन्टिंग प्रेस | १९८० | ३०७ | |
| २०६ | समाषाटीका सत्यनारायणपुजाकथा प्रारम्भ ले. ज्वालाप्रसादमिश्र मुम्बईः शलक्ष्मीवेंकटेश्वर | | ४१ | |
| २०७ | तडागयाग पद्दति ले. रघुपति शर्मा दरभंगाःमुनियनसामाख्य यन्त्रालय, कान्तविहारी मिश्र | १८२६ | ७४ | |
| २०८ | जातकाभरणानुक्रमणीका प्ररम्भ | १७८७ | ६० | |
| २०९ | शुल्कयजुर्वेद संहिता ले.विध्याधर शास्त्री गौड वनारसः ठाकुरप्रसाद गुप्ता बूक्सेलर | | v.p | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| २१० | स पिण्डीनिर्णये आरम्भ ले. शिव दयालु मुम्बईःश्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस | १९६५ | ५२ | |
| २११ | त्रैवर्णिकसंन्यासकासार प्रारम्भ ले. स्वामी कैलास पर्वत मुम्बईःनिर्णयसागर | | २४ | |
| २१२ | स्मृतिसार सामुच्या | | v.p | |
| २१३ | श्री निगोदषटत्रिंशिका ले. रतनसिंहसुरी जामगरः हरिलाल हंसराज जैन भाष्करोदय प्रिन्टिंग प्रेस | १९७५ | २० | |
| २१४ | अष्ट्रोयी ले. विन्धेश्वरी मिश्र काशीः गणेश यन्त्रालय | १९३६ | ४९ | |
| २१५ | कात्यायनितंत्रोक्तचण्डीप्रयोग वनारसः काशिसंस्कृत यन्त्रालय ले. शिव भट्ट, सुतसटी गर्भ जनागोजी भट्ट | १९३७ | ९ | |
| २१६ | श्री मदभगवत भाषाटीका ले. दौलातराम गौड वाराणसीः ठाकुरप्रसाद एंड सन्स सम्पादकः वेदप्रकाश गौड | १९७४ | v.p | |
| २१७ | श्री लिंगपुराण सटीक प्रारम्भ ले. गणेश | | ३५७ | |
| २१८ | लघुचंद्रिको पेनाया अद्वैत सिध्यश्चतचतुर्थ परिछेद ले. मधुसुधन स्वामी काशीः हरिहररत्नाख्ये यन्त्रालय | १९४८ | ३४३ | |
| २१९ | विधेश्वर संहिता | | v.p | |
| २२० | श्री मन्मार्कण्डेय महापुरण मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | १९६७ | १८० | |
| २२१ | विष्णु धर्मोत्तर महापुरण मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | | ४७१ | |
| २२२ | श्री ज्योतिष्करण्डकं प्रक्रिण ले. श्री मम्मलगिर्याचार्य इन्दौरः जैन बन्दु प्रेस श्री ऋषभदेवजी केशरीमलजी | १९८४ | २६६ | |
| २२३ | हरी उपदेश- महाग्रन्थ ले. हरिभद्र सुरी बडोदराः शाहलालचन्द्र नन्दलाल, श्री मन्मुक्तिकमल जैन मोहनमाला | | ४३४ | |
| २२४ | श्री विशेषावश्यकसुत्रम प्रथमोभागः ले. श्री मज्जिंभद्रशणीक्षमाश्रमण | | ७८७ | |
| २२५ | सटीक बाल्मिकीरामायण- बलकाण्ड | | v.p | |
| २२६ | अनगारधर्मामृत ले. आशाधर अ.खुबचंदजी सोलापुरः खुशालचंद पानाचंद,जैनोन्ति फण्ड | | ९३६ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| २२७ | वृहज्ज्योतिषानेबोक्तमास महात्म्यस्तबक प्रा. मुम्बईः प्रज्ञायुक्त ज्ञानसागर छापाखाना | १८८९ | v.p | |
| २२८ | टीकपन्चकोपेतावेदस्तुतिः मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर ले. निलकन्ठी | | ५४ | |
| २२९ | ग्रन्थारम्भ ले. राजेन्द्र काशीः विधोदय यन्त्रालय | १९३० | | |
| २३० | तत्वानुसन्धानमदैतकौस्तुभटीकापेतं काशीः हरिहर रत्नाकर यन्त्रालय | १९४८ | ११० | |
| २३१ | प्रज्ञापानासुत्रः प्रथम खण्ड ले. श्यामाचार्य अ. भगवानदास हर्षचन्द्र | | ६१३ | |
| २३२ | श्री उपदेशमाला (पुष्पमाला परभिधा) ले.हेमचन्द्र सुरी इन्दौरः ऋषभदेवजी केशरमलजी श्वेताम्बर संस्था | | ७०४ | |
| २३३ | समराश्कहाः संस्कृतच्छाया संहिता (खण्ड १-२-३) ले. हरिभद्रसुरी भावनगरः आनन्दमुद्राणलय | | ३०४ | |
| २३४ | चर्तुदशं शतं दितियो भाग ले. भयदेवसुरी | | ६५७ | |
| २३५ | श्रीमती-ओधनियुक्ति ले. भद्रबाहु स्वामी पुर्वाचार्य मेहेशानाः शाह वेणीचन्द्र,सुरचन्द्र आगमोदया समिति | | २२७ | |
| २३६ | ताजिक निलकण्ठी ले.दैवज्ञ निलकण्ठ काशीः गणेश यन्त्रालय | | ८२ | |
| २३७ | मुहुर्त चिन्तामणि ले. गिविन्दविर्द | | v.p | |
| २३८ | श्री मददेवी भागवतम् मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | | v.p | |
| २३९ | वेदान्तपरिभाषा सटीक ले. बल शास्त्री काशीः गणेश प्रभाकर छापाखाना | | ६० | |
| २४० | ताजिक निलकण्ठी ले.दैवज्ञ निलकण्ठ काशीः गणेश यन्त्रालय | | ५६ | |
| २४१ | प्रज्ञापानासुत्रः (६-२०) ले. श्यामाचार्य अ. भगवानदास हर्षचन्द्र | | १२१९ | |
| २४२ | सटिका पंचदशी | | १३४ | |
| २४३ | श्रद्धरत्नम् (भैषाली साम्प्रदायिक) श्राद्ध पद्दति ले. लक्ष्मीपति दरभंगाःश्री रमेशश्वोर यन्त्रालय | | ८६ | |
| २४४ | गरुडमहापुरणम् ले.वेददास मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर,स्टीम प्रेस | | २६२ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| २४५ | गुरुसिद्धान्त पारिजात लेखक.देवीप्रसाद तिवाडी विध्यासागर यन्त्रालय | | ७८ | |
| २४६ | श्री भविष्यमहापूरण मुम्बई; श्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस | | ५५६ | |
| २४७ | न्यायखण्डखाधापरनाममहावीरस्तवप्रकरणम ले.श्री यसोविजयोउपाध्याय मारवाडः तारा चन्द | | ५४६ | |
| २४८ | श्री भदभगवत लिलाकल्पद्रुभ मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | | ५७ | |
| २४९ | तत्व प्रदिपिका ले. चित्मुखमुनी उपाध्याय गोबर्धन सहस्य हरिहर यन्त्रालय | | १८१ | |
| २५० | श्री सनत्सुणातियं सभाष्यं टीकासहित | | ४२ | |
| २५१ | होणरत्नमूल ले. बाल शास्त्री सं.कौलेश्वर सिंह काशीः गणेश प्रभाकर | | १९९ | |
| २५२ | सटीकमाहत्मयपुराण प्रारभ्यते | | v.p | |
| २५३ | श्री मदभागवत महात्म्य ले. श्रीधर स्वामी | | v.p | |
| २५४ | लघुयोग विशिस्ठम् | | v.p | |
| २५५ | श्री मदभागवत प्रथमसकन्ध-चुर्णिका मुम्बईः महादेव गोपाल शास्त्री ज्ञानदर्पण छापाखाना | | v.p | |
| २५६ | गर्गाचर्या संहिता दाशखण्डालिका मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस ले. कृष्णदेव अचार्य | | २६७ | |
| २५७ | गया महात्म ले. श्याम | | ३७ | |
| २५८ | श्रीभक्तमाला ले. माधव शरण आगराः पंडित केशवप्रसाद शर्मा दिवेदी | | १२६ | |
| २५९ | बाम्होत्तरखण्ड प्रारभ्यते मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस | | ५५ | |
| २६० | रमलनवरत्न काशीः नागेशयन्त्रालय ले. सुखोपाध्याय | | ३४ | |
| २६१ | गंगालहरी सटीक प्रारम्भ ले. जगन्नाथराय काशीः काशी प्रेस | | १३ | |
| २६२ | गर्गमनोरमाटीका काशीः सुधनिवास छापाखाना | | २० | |
| २६३ | बृहजातक प्रारम्भः(बृहजातक भट्टओथली टीका सहित) ले. भट्टओथाली काशीः गणेश छापाखाना | | १५६ | |
| २६४ | सत्योपारथानं प्रारभ्यते मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | | ८५ | |
| २६५ | ग्रहलाघव सटिक प्रारम्भ ले. दैवज्ञ | | ६४ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| २६६ | मथुरीपंचलक्षणीटिपणी कालीशंकरी लिखाते<br>काशीः काशी संस्कृत मुद्रालय | | १९ | |
| २६७ | अनुष्ठान प्रकाश :(महानिबन्द) ले. श्री<br>चतुर्थीलाल शर्मा मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस | | ३३७ | |
| २६८ | कुंडार्क सटीक काशीः गणेश प्रकाश छापाखाना<br>ले. भाष्कर दीक्षित | | २२ | |
| २६९ | श्री मदभागवतगीता टीकाकारःश्रीधर मुम्बईः<br>श्री वेंकटेश्वर प्रेस | | १०१ | |
| २७० | तत्वसमारथसंरथसुत्र ले. कपिलदेव | | ११ | |
| २७१ | श्री दंरुडक प्रारम्भ ले. ज्गदिश्वररारथ शिलायन्त्रा | | २६ | |
| २७२ | हरी मंगलकलश चरित्रम ले. पंडित भाव<br>चन्दसुरी जामनगरः हरिलाल हंसराज, जैन<br>भाष्करोदय प्रिन्टिंग प्रेस | | २४ | |
| २७३ | दान चन्द्रिका प्रारम्भ ले. दिवाकर मुम्बईः<br>श्रीकृष्णदासात्मज गंगविष्णुः लक्ष्मीवेंकटेश्वर | | ८१ | |
| २७४ | विषयतावाद प्रारम्भ ले.गदाधर भट्टाचार्य काशीः<br>काशी संस्कृत मुद्रालय | | ११ | |
| २७५ | षटपंचाशिकासंरि, प्रा. ले. श्रीभटटोल्पल मुम्बईः<br>कृष्ण शास्त्री/ ग्रन्थप्रकाश छापाखाना | | २५ | |
| २७६ | केदार महात्म्य प्रारभ्यते मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर<br>छापाखाना | | १८ | |
| २७७ | एकादाशी महात्म्य प्रारम्भ काशीः केदार प्रभाकर<br>छापाखाना | | ५१ | |
| २७८ | मानस सागरी पद्दति मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर स्टीम<br>यन्त्रालय | | १०३ | |
| २७९ | संस्कार प्रकाश ले. पंडित श्री चतिर्थीलाल शर्मा<br>मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर प्रेस | | १३० | |
| २८० | गुरुतत्व विनिश्चयः ले. श्री यशोविजयगणी<br>उपाध्याय भावनगर; बल्लभदास,त्रिभुवनदास<br>गान्धी/ श्री जैन आत्मानन्द सभा | | २१७ | |
| २८१ | श्री मधुरामाहत्म्य (बराह पुराण अन्तर्गतम्)<br>मुम्बईः दात्ताराम माथुर/ प्रबोधरत्न कर यन्त्रालय | | ६५ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| २८२ | जगदिशीव्यधिकरण टिप्पणकाली शंकर काशीः काशी संस्कृत मुद्रलाया | | १९ | |
| २८३ | चंपुभारत प्रारम्भ ले. श्री मदंत भट्ट | | ११६ | |
| २८४ | श्री गुरु सिद्धान्त पारिजात ले. हरसिंह साधु वनारसःविध्यासागर यन्त्रालय | | ६८ | |
| २८५ | विध्यमहात्म प्रारम्भ काशी; वनारसः विध्यासागर यन्त्रालय सं.देविप्रसाद तिवाडी | | ६० | |
| २८६ | श्री नरवर्म चरित्र, जामनगरः जैनभाष्करोदय प्रेस, हिरालाल हंसराज | | ५७ | |
| २८७ | ताजिक निलकण्ठी सटीका सिधाहरण ले.दैवज्ञ निलकण्ठ मुम्बईः प्रबोधरत्नाकर | | १०८ | |
| २८८ | ताजिककेशवी सोदाहरण ले. केशव दैवज्ञ काशीः काशी संस्कृत यन्त्रालय | | १८ | |
| २८९ | श्री पुरुषोत्तम महात्म्य ले. लिलाधर मुम्बईः गणपत कृष्णजी मुद्रयन्त्रालय | | १०० | |
| २९० | भुवनदिप सटिक प्रारम्भ मुम्बईः गंगा विष्णु मुद्रालय | | ३४ | |
| २९१ | श्री कर्पुरप्रकर सटिक ले. श्री हरिमुनी टीकाकारः श्री जिनसागर सुरी जामनगरः हरिलाल हंसराज | | २१३ | |
| २९२ | सस्कारसिंहः ले. हरिभट्ट | | २६ | |
| २९३ | साङ्गसप्ताहमण्डप पूजाविधिःसंग्रहकर्ताः गौरी शंकर शर्मा लुइट्याल काशीः गौरीशंकर शर्मा लुइट्याल | | ४४ | |
| २९४ | श्री साधुदिनकृत्य ले. हरिप्रभु सुरी जामनगरः हिरालाल हंसराज जैन भाष्करोदय प्रेस | १९७३ | ४१ | |
| २९५ | महिम्न स्तोत्र सटिक ले. पुष्पदन्ताचार्य मुम्बईःबाबुहरसेठ देवलेकर | १८१४ | १० | |
| २९६ | श्री संबोधसप्ततिकावृतिः मूल संहिता ले. श्री रत्नशेखर सुरी वृतिकारःश्री अमरकृति सुरी जमनगरः हरिलाल हंसराज | १९६७ | ९१ | |
| २९७ | देवालय ग्राममहात्म्य प्रारम्भ | १८२७ | १३१ | |
| २९८ | रुक्मांगड चरित्र प्रारम्भ (लघुनारदिय पुराणान्तर्गत) नेपालः नरदेवमोतिकृष शर्मा पाशुपात यन्त्रालय | | ६८ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| २९९ | प्रथिस्ठामहोदधी प्रारम्भः ले. श्री वायुनन्दन मिश्र वनारस सिटीः मास्टर खेलाडीलाल एंड सन्स | | १५९ | |
| ३०० | श्री स्थलि भद्र चरित्र ले. श्री जयानन्दसुरी जामनगरः हिरालाल हंसराज जैन भाष्करोदय छापाखाना | १९६७ | ६८ | |
| ३०१ | लघुमंजुषा प्रारभ्यते काशीः काशी संस्कृत मुद्रालय | १९४३ | २०८ | |
| ३०२ | पंचायुध प्रयंचारथोश्राण | १७८६ | ४३ | |
| ३०३ | वामनपुराण प्रारभ्यते मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस | १९६० | १६१ | |
| ३०४ | स्वस्थानीका स्तोत्र ले. रामचन्द्र डोटयाल | १९५२ | v.p | |
| ३०५ | शुद्रकमलाकर प्रारम्भ ले. कमलकर भट्ट | १७८३ | ९४ | |
| ३०६ | सटिका सप्तसतीका प्रारभ्यते ले.श्री नागोजी भट्ट वनारसीः हिन्द यन्त्रालय | | ८३ | |
| ३०७ | मन्जुषासहित शक्तिवादः वाराणसीः काशी संस्कृत मुद्रालय लेः गदाधर भट्टाचर्या | १९४० | ६३ | |
| ३०८ | प्रयोगरत्न ले. नारायण भट्ट/ रामेश्वोर भट्ट मुम्बईः जगदिश्वर छापाखाना | १८०८ | ९९ | |
| ३०९ | पुजसमुच्चय प्रारम्भ ले. वाशुदेव शर्मा निर्णयसागर मुद्रालय | १८२३ | १३२ | |
| ३१० | संकल्पकल्पना ले.रामचन्द्र मुम्बईः लक्ष्मी वेंकटेश्वर | १९७४ | ५५ | |
| ३११ | प्रतिमाशतक- ग्रन्थः ले. यशोविजय वाचक | | ३०४ | |
| ३१२ | जैमिनीसुत्रसुबोधिनी ले. निलकन्ठ काशी;गणेशप्रभाकर छापाखाना | १९४९ | ३७ | |
| ३१३ | श्री समरादित्य चरित्रं प्रारभ्यते भाग-२ ले.श्रीमती वर्धनगणि जामनगरःहिरालाल हंसराज | १९७९ | ३६७ | |
| ३१४ | श्रीनुप्देशसारटीका जामनगरः जैन भाष्करोदय प्रिन्टिंग प्रेस/ हरिलाल हंसराज | १९७४ | २१२ | |
| ३१५ | बृहज्जातक सटीक | | १६५ | |
| ३१६ | चन्द्रिकासहित कुवलयानंद | | १७६ | |
| ३१७ | गर्गमानोरमा सटिक काशीः सुर्य प्रभाकर छापाखाना ले. रामदास | १९३५ | २९ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ३१८ | अद्भुत रामायण मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | १९५६ | ५३ | |
| ३१९ | प्रेतमन्जरी भाषाटीकासहिता मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | | ६८ | |
| ३२० | वास्तुशान्ति प्रयोगःले. वायुनंदन मिश्र वनारसःमास्टर खेलाडीलाल एंड सन्स | | ३० | |
| ३२१ | केदारखण्डस्थमायापुरीमहात्म्य मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | १९४४ | ४१ | |
| ३२२ | अयोध्यामहात्म्य मुम्बईः श्री वेंकटेश्वर | १९५६ | ६४ | |
| ३२३ | प्रपंचसार संग्रह ले. गिर्वाणेन्द्र सरस्वतिशास्त्री | | ४३६ | |
| ३२४ | नेयोपदेशः ले. यशोविजयगणि भावनगरः श्री आत्मवीरसभा | १९७६ | १०३ | |
| ३२५ | प्राकृत बालभाषा(भागधि) व्याकरण प्रारम्भः ले. हेमचन्द्र स्वामी मुबाईः ज्ञानदीपक छापाखाना | १९१४ | ९४ | |
| ३२६ | थाहा नभएको | | | |
| ३२७ | चंडकौशिक नाटक प्रारम्भ | १७८२ | २२ | |
| ३२८ | श्री गणेश पुराण | | १०९ | |
| ३२९ | सटिका जातका लंकारः प्रारभ्यते | १९६६ | ४७ | |
| ३३० | बृहज्जातक सटिक प्रारभ्यते | | १९५ | |
| ३३१ | लघुयोगवासिष्ट प्रारभ्यते | | ११३ | |
| ३३२ | ऐतरेय ब्रहम्णपंचिका प्रारम्भ | १९१० | १४० | |
| ३३३ | अथ कुदूनो प्रारम्भ | | ५३ | |
| ३३४ | ऋग्वेदमंत्र संहिता प्रारम्भः पुजपंकजभाष्करः समाप्त | | १३९ | |
| ३३५ | नन्धादिगाथाधकारादियुतो विजयानुक्रम | | १३२ | |
| ३३६ | मंत्रमहोदधिः सटिका | | २४० | |
| ३३७ | अथ चिरादर्श : प्रारम्भ्यते | १९४१ | ७८ | |
| ३३८ | विश्व गुणादर्श | | ४० | |
| ३३९ | चंगदास कृतकारिका प्रारम्भ | | १८ | |
| ३४० | पदवावचरत्त्रंकर | १९३३ | ११३ | |
| ३४१ | कृष्ण भट्टीटीका सहित मुसतिवाद | १९४९ | ११८ | |
| ३४२ | श्री धरियटिकया वंशीधर्मकृत तन्द्रावार्थ दिपिकाप्रकाश टिकया चोपेते | | १९३ | |
| ३४३ | श्री प्रश्नोत्तररत्नमाला सटीक | | ५७१ | |
| ३४४ | श्री मद्वायु महापुराण | १९५२ | २०९ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ३४५ | श्री लोक प्रकाश | १९६६ | ६४९ | |
| ३४६ | शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिनिय संहिता | | ८७० | |
| ३४७ | श्री हरिवंशे सटीक तृतीय भबिष्यपर्व | | ४४१ | |
| ३४८ | स्कंदोप पुराणीय शिवभक्त विलास | | १६० | |
| ३४९ | मंत्र महोधादी | | १७९ | |
| ३५० | व्रतराज प्रारम्भ | १९८३ | ४२५ | |
| ३५१ | श्री  कर्म प्रकृति | | ९४ | |
| ३५२ | श्री काशी विश्वनाथपुरी | | ७४ | |
| ३५३ | कुर्म महापुराण प्राम्भ्यते | | १६३ | |
| ३५४ | (थाहा नभएको) | १९४३ | | |
| ३५५ | उपदेश माला | | ७७० | |
| ३५६ | सिद्दान्त सारंगी | | | |
| ३५७ | (थाहा नभएको-चार थरि) | | | |
| ३५८ | स्वार्थ चिन्तामणि | १८०८ | ७७ | |
| ३५९ | श्री विष्णु महापुराण | १९६७ | २९४ | |
| ३६० | दश वैकालिकं | | ११७ | |
| ३६१ | शुल्कयजुर्वेदमाध्यंदिनीय संहिता | १९३१ | १२० | |
| ३६२ | मान सागरी ग्रन्थ | | | |
| ३६३ | व्रतोधापनकोमुदि | १८१४ | | |
| ३६४ | धनिस्ठा पांचकशान्ति | १९७२ | ११ | |
| ३६५ | श्री मदंतक्रिद्दशानुत्तरोपपतिक दशाविपकश्रुतानी | | ९५ | |
| ३६६ | वाक्यवृति प्रारम्भ | | ४५९ | |
| ३६७ | मुकुन्दविजय | | ३७ | |
| ३६८ | श्री मिथिला माहात्मयम्भापाटीका संहितम् | | २४४ | |
| ३६९ | गितावाक्य तात्पर्य वोधिनी | | | |
| ३७० | पंचसंग्रह | | ३४२ | |
| ३७१ | श्री पंचसंग्रह मूलवृति | | २४६ | |
| ३७२ | (थाहा नभएको) | | | |
| ३७३ | माध्यन्दिनीयशाखायजुर्वेद | | | |
| ३७४ | सिद्दान्तपरल | | | |
| ३७५ | श्री मन्त्रिसिंहीयस्य प्रयोग परिजातस्य | | | |
| ३७६ | देववर्न पारिजात | | | |
| ३७७ | संस्कृत भक्तमाला | | | |
| ३७८ | वेदोक्तासवार्चन प्रारम्भ | १९४९ | | |
| ३७९ | श्री संवाद सुन्दर | १९७५ | २९ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ३८० | ऋक्संहिता | | | |
| ३८१ | श्री विवेकमंजरिटीका | | २४८ | |
| ३८२ | श्री वर्धमानदेशना | | २२० | |
| ३८३ | श्री शाकुनसारोधर | | ४७ | |
| ३८४ | श्री मम्मत्रुदेव विरचिना परिभाषेन्दु | १८३४ | ७१ | |
| ३८५ | परिभाषेन्दुशेख | १९३९ | ४२ | |
| ३८६ | मुक्तावात्त्याः करिकवली | | | |
| ३८७ | श्री नासीक पंचवटी महात्म्य प्ररम्भ्यते | १९६३ | | |
| ३८८ | श्री पंचाकोशिमाहात्म्ये | १९४३ | | |
| ३८९ | यवनजतकं प्रारम्भ्यते | | २० | |
| ३९० | श्री अष्टक प्रकरणम् | १९९३ | १०४ | |
| ३९१ | प्रायश्रिन्तेशेखरस्यानु क्रमणिका प्रारम्भ | | ७८ | |
| ३९२ | श्री स्कन्दपुराणओक्त | | ७५ | |
| ३९३ | हायनरत्न | | | |
| ३९४ | प्रशास्ति पत्रिका | १८८९ | १८ | |
| ३९५ | रामलामृतम | | २६ | |
| ३९६ | अलंका र शेखर | १९२३ | | |
| ३९७ | श्री स्कंदपुराण | १९३२ | १३१ | |
| ३९८ | पोदोषीमी मांसान्याय प्रकाश | १९५० | | |
| ३९९ | सटिका श्रीमदभगव | | १०४ | |
| ४०० | कुंडार्क सटिका | | २१ | |
| ४०१ | श्री मदभागवतसप्तम स्कंद | | | |
| ४०२ | श्री महिपाल चरित्र | | ७३ | |
| ४०३ | सिद्धिविनायक पुजा | | १२ | |
| ४०४ | श्री हरिप्रक्षा | | १०६ | |
| ४०५ | धर्मसगरिया | | ३६ | |
| ४०६ | पुर्वपक्षावली | | | |
| ४०७ | श्री कश्याम्बुल्ल | | | |
| ४०८ | जानकालंकर | | ३२ | |
| ४०९ | श्री विविध पग्रनावचु | १९६९ | ७२ | |
| ४१० | भबिष्यदत्त चत्रिम् | | १५८ | |
| ४११ | (थाहा नभएको) | | | |
| ४१२ | श्री मछेवी भागवत | | | |
| ४१३ | सिद्दान्त कौमोदी | | | |
| ४१४ | मन्त्रमहार्णव | १८२९ | | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ४१५ | विश्वनाथ  दैवज्ञकृत श्री व्रतराज | | | |
| ४१६ | श्री मभ्दागवतबल प्रबोधिनीटीकासमेत | | | |
| ४१७ | मनोरम शब्द र त्रंसवलिता | १९३० | | |
| ४१८ | श्री मदुगच्छाचारप्रकिर्णक्रम | | | |
| ४१९ | कामलाकरी टिकासहित | १९२३ | | |
| ४२० | नरदीय महापुराण | | | |
| ४२१ | श्री हरिवंशातगर्त भविष्यपर्व | १८०१ | | |
| ४२२ | श्री मोक्षमार्ग | | ५२४ | |
| ४२३ | टीका वार्तिकासर्वालीतं | | | |
| ४२४ | गोपीनाथ भट्ट | | | |
| ४२५ | न्यायखण्ड खाधापरनाम | | | |
| ४२६ | श्री सुचंपक्षस्युपांगम् | १९७५ | २९७ | |
| ४२७ | श्री पझ-पुराण | | ३१० | |
| ४२८ | श्री शंकर विजय | | ६२८ | |
| ४२९ | वृहज्जातक सटीक | | ४६६ | |
| ४३० | रुक्मांगद चरित्र | | | |
| ४३१ | शुक्लयजुर्वेदमाध्यंदिनी | १८८७ | | |
| ४३२ | जल्लाशयोत्सर्ग प्रकाश महानिबांध | १९६७ | १४४ | |
| ४३३ | आग्रेय महापुराण | | २६४ | |
| ४३४ | अथामरकोशे सटीक | | | |
| ४३५ | रसमन्जरी व्याख्या व्यंग्यार्थ कौमदी | | | |
| ४३६ | ब्रा.स | | | |
| ४३७ | उत्तर पुराण | | | |
| ४३८ | शान्ति प्रकाश | | | |
| ४३९ | शिवरात्री व्रतक | | | |
| ४४० | पुष्करमाहात्म्य | | | |
| ४४१ | आचारार्क प्रारम्भ | | | |
| ४४२ | गिरिनार महत्म्य | १९४१ | | |
| ४४३ | चातुः शरणादिनी | | १४१ | |
| ४४४ | समंत्रनवारात्र पद्दति | १९६५ | २३ | |
| ४४५ | व्यंग्यार्थ कौमुदी | | ७५ | |
| ४४६ | (थाहा नभएको) | | | |
| ४४७ | श्री उत्तमकुमार चरित्रम् | १९७९ | | |
| ४४८ | श्री सिंहासन द्वात्रिंशिका | | १२२ | |
| ४४९ | नारायणेपनिषद | १३३५ | | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ४५० | लघु पाराशरी | | | |
| ४५१ | श्री काशी विश्वनाथ | | | |
| ४५२ | सिंहव्याघ्र संहिता | १९४१ | | |
| ४५३ | हरी काशी विश्वनाथ | | | |
| ४५४ | श्री कल्प कौमदी | | २४० | |
| ४५५ | दिवाकर कृतदान चन्द्रिका | | | |
| ४५६ | श्री मन्ननंदी सुत्रम | | | |
| ४५७ | श्री वृन्दावन माहात्म्य | | | |
| ४५८ | लम्बोदरी होमपद्दति | | | |
| ४५९ | टिप्पणी समेत | | | |
| ४६० | शिघ्रबोध सटीक | | | |
| ४६१ | शांकारी प्रारम्भ | १९४६ | | |
| ४६२ | श्री मन्ति उत्तरध्ययनानी | | २८४ | |
| ४६३ | श्री मद्वाभगवताधपध व्याख्याशतकं | | | |
| ४६४ | शुक्लयजुर्वेदः शाखियकर्मकाण्ड | | | |
| ४६५ | प्रायश्चित्तकदम्व | | ३० | |
| ४६६ | सटीकःसंकेतनिधि | | | |
| ४६७ | बृहत्पारासहरिय धर्मशास्त्र | १९५५ | | |
| ४६८ | विश्वगुणादर्श | १७८३ | ३६ | |
| ४६९ | सारस्वतस्य सुचीपत्रम् | | | |
| ४७० | पंचायुध पंचारव्योभाण | | | |
| ४७१ | श्री पर्युषणादशशतकम् | | ३६ | |
| ४७२ | द्वादश-कुलकम | | १०७ | |
| ४७३ | माध्यंदिनी मंत्र | | | |
| ४७४ | श्री मभ्दागवते सप्तम स्कंद | | | |
| ४७५ | श्री गोविन्दाचर्न चन्द्रिका | | ६३ | |
| ४७६ | मंजुखाससहित शास्त्रिवाद | | | |
| ४७७ | सटिप्पण सटीक शास्त्र | १९५१ | | |
| ४७८ | शिव सहस्त्र नाम प्रारभ्यते | | | |
| ४७९ | श्री मन्ननंदी सुत्रम | | २१४ | |
| ४८० | श्री उत्पादादिसिद्धि | | | |
| ४८१ | मंत्रमहोदधि | १९८९ | ६८ | |
| ४८२ | श्री काशीविश्वनाथपुरी | | ५१९ | |
| ४८३ | श्री काशीविश्वनाथपुरी | १९४८ | ४० | |
| ४८४ | श्री काशीविश्वनाथपुरी | | २८ | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ४८५ | सटीक भेदधिक्कार | | ६५ | |
| ४८६ | दानचन्द्रिकाया अनुक्रमणीका | | | |
| ४८७ | चतुर्मास्य माहात्म्य | | ४४ | |
| ४८८ | शंतिसार | १९३७ | | |
| ४८९ | सत्यनारायण पुजा | १९५९ | | |
| ४९० | सिक्रबोध सटीक | | | |
| ४९१ | विश्वगुणादर्श | | ३२ | |
| ४९२ | जैमिनीथ सुत्रम | १८१४ | | |
| ४९३ | (थाहा नभएको) | | | |
| ४९४ | पुरुषार्थ सिद्धयुपाय | | | |
| ४९५ | बृहतजात सटीक | | | |
| ४९६ | प्रमाणवार्तिकम् | | | |
| ४९७ | संस्कारनृसिंह | | | |
| ४९८ | तुलसी विवाह | | | |
| ४९९ | शिक्षा दिवेदांगचतुष्टय | १९०९ | | |
| ५०० | कर्पूरस्तव | | | |
| ५०१ | श्री मूल रामायण | | | |
| ५०२ | वैश्यकमलकरस | | ३९ | |
| ५०३ | श्री नर्मदामहत्म्यम | | | |
| ५०४ | काशीविश्वनाथपुरी | | | |
| ५०५ | ग्रहशान्ति प्रयोग | २०३२ | २८८ | |
| ५०६ | मंत्र महोधदी सटिक | | | |
| ५०७ | श्रूद्रकमलाकर | | | |
| ५०८ | मेघदूधकाव्य | १९२४ | | |
| ५०९ | मंजूषसहित शक्तिवाद | | | |
| ५१० | रमलसिक्तामू | | | |
| ५११ | उपदेशकस्पवली | | | |
| ५१२ | श्री धर्मदत्तकथा | | | |
| ५१३ | (थाहा नभएको) | १८०७ | | |
| ५१४ | सटीक-सच्णीक | | | |
| ५१५ | श्री भगवते प्रथम सकंद | | | |
| ५१६ | श्री हरिवंशे प्रथमपर्व | | | |
| ५१७ | श्री पाटम्महापुराण | | | |
| ५१८ | योग वासिस्ठ | | | |
| ५१९ | श्री मदाभगवत | | | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ५२० | श्री महाभारते स्त्रीपर्व | | | |
| ५२१ | श्री बाल्मीकी रामायणे | | | |
| ५२२ | श्री मदाभगवते द्वादशस्कंध | | | |
| ५२३ | श्री स्कंदे महापुराणे | | | |
| ५२४ | श्री स्कंदे महापुराणे | | | |
| ५२५ | गुरु परंपराचरितं | | | |
| ५२६ | वेदान्तपरिभाषाया | | | |
| ५२७ | श्री अष्टसहस्त्री तात्पर्य विवरणम् | | | |
| ५२८ | श्री प्रेमयकम लमार्तण्ड | १९१२ | | |
| ५२९ | सटीक हरिवंश | | | |
| ५३० | श्री मार्गणाद्वार विवरणम् | | | |
| ५३१ | श्री ब्रह्मवैवार्ते महापुराण | | | |
| ५३२ | श्री मदभागवदीताभाव प्रकाश सटीक | | | |
| ५३३ | भरतसार | | | |
| ५३४ | श्री मदभागवतनवम् स्कंध | | | |
| ५३५ | संसकरभाष्कर | | | |
| ५३६ | प्रेमयकमलामार्तण्ड | १९१२ | | |
| ५३७ | नारदियमहापुराण | | | |
| ५३८ | शारदा तिलक | १९४४ | | |
| ५३९ | मित्ताक्षराप्रायश्चित्तध्यायसंपुरर्गम् | | | |
| ५४० | श्री दर्शनसुद्धनशुद्दीटीका | | | |
| ५४१ | चरित्रसार | | | |
| ५४२ | (थाहा नभएको) | | | |
| ५४३ | श्री मदभागवत श्री धरियटीकया | | | |
| ५४४ | बृहतज्ज्योतिषणवेश्ठे | | | |
| ५४५ | समाप्तं द्वादकुलम् | | | |
| ५४६ | विश्व-पन्चंगम | | | |
| ५४७ | बृहतजातक | | | |
| ५४८ | वेदांगचक्षु | | | |
| ५४९ | त्रिपथगापरिभाषेन्दु | १९२२ | | |
| ५५० | सर्वदेव प्रथिस्ठा | | ११४ | |
| ५५१ | पंच संग्रह | | | |
| ५५२ | कृत्य दिवाकर | | | |
| ५५३ | सटिका ताजिक निलकण्ठ | १८८७ | | |
| ५५४ | अलंका र शेखर | १९२३ | | |

| क्र.स. | शीर्षक/लेखक/प्रकाशक | वर्ष | जम्मा पृष्ठ | कैफयत |
|---|---|---|---|---|
| ५५५ | अनुयोगद्वारचुर्ण | १९८४ | १२८ | |
| ५५६ | गौडीय श्राध प्रकाश निबन्ध | | | |
| ५५७ | गितार्थ शारदारत्न | | | |
| ५५८ | तन्त्रसार | | | |
| ५५९ | (थाहा नभएको) | | | |
| ५६० | श्री महाभारते स्वर्गारोहणपर्व | | | |
| ५६१ | श्री मदभगवाते | | | |
| ५६२ | श्री मदभागवतः श्री घरिटीका | | | |
| ५६३ | श्री गणेश पुराण | | १०९ | |
| ५६४ | श्री प्रवचनसारोध्दा सटीक | | | |
| ५६५ | (थाहा नभएको) | | | |
| ५६६ | ब्रह्मपुराणान्तर्गत गौतमी | | | |
| ५६७ | ब्रहमाण्ड महापुराण | | | |